



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2057]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 25, 2017/श्रावण 3, 1939

No. 2057]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 25, 2017/SRAVANA 3, 1939

okf.kT; e=ky;

(fon\\$ k 0; ki kj egkfun\\$ kky; )

vkn\\$ k

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2017

dk-vk- 2322/V½&विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) संशोधित अधिनियम, 2010 द्वारा यथा संशोधित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 4 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतदद्वारा विदेश व्यापार (कतिपय मामलों में नियमों के लागू होने से छूट) आदेश, 1993 को संशोधित करती है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

1- I f{kr uke vkj i kj llk%

(1) इस आदेश को विदेश व्यापार (कतिपय मामलों में नियमों के लागू होने से छूट) संशोधन आदेश, 2017 कहा जाएगा।

(2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

2- i fj Hkk"kk, a

इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-

(क) "अधिनियम" से विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) संशोधित अधिनियम, 2010 द्वारा यथा संशोधित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) अभिप्रेत है:

(ख) "आयात व्यापार विनियमन" से अधिनियम तथा उसके अधीन बनाए गए नियम और किये गए आदेश तथा निर्यात और आयात नीति अभिप्रेत है:

(ग) "नियम" से विदेश व्यापार (विनियमन), संशोधन नियम, 2015 अभिप्रेत है

(घ) इस आदेश में जिन शब्दों और अभिव्यक्तियों का प्रयोग हुआ है और जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, उनके क्रमशः वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

## 3- fu; eka ds ykxw gkus | s NIV%

- (1) नियमों की कोई बात निम्नलिखित किन्हीं माल के आयात पर लागू नहीं होगी:
- (क) रक्षा प्रयोजनों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अथवा केन्द्र सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाले अभिकरणों, उपक्रमों द्वारा;
  - (ख) केन्द्र सरकार या किसी राज्य सरकार, सांविधिक निकाय, लोक निकाय या संयुक्त स्टाक कंपनी के रूप में चल रहे सरकारी उपक्रम द्वारा;
  - (ग) केन्द्र सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी सांविधिक निगम या लोक निकाय या संयुक्त स्टाक कंपनी के रूप में चल रहे सरकारी उपक्रम द्वारा, जिससे संबंधित आर्डर पूर्ति और निपटान, महानिदेशालय, नई दिल्ली के माध्यम से दिये जाते हैं;
  - (घ) पारगमन द्वारा या पोत के भंडार के रूप में पहुंचने पर पुनः निर्यात के लिए आयातित और बंधित माल, जिन्हें नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत के बाहर किसी देश को सामान पोत से भेजा जाता है या पूर्वोक्त रूप में पहुंचने पर पुनः निर्यात के लिए आयातित और बंधित माल किन्तु बाद में राजनयिक कार्मिक, भारत में कौंसुलर आफिसरों तथा संयुक्त राष्ट्र संगठन और उसके विशिष्ट अभिकरणों के पदाधिकारियों के, जिन्हें क्रमशः भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की संगत अधिसूचना और संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार और उन्नुक्तियां) अधिनियम, 1947 (1947 का 46) के अधीन शुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त है, उपयोग के लिए निर्मुक्त किया जाता है;
  - (ङ.) आयातित और बंधित, माल, जो पहुंचने पर अनुमोदित शुल्क मुक्त दुकानों पर, बाहर जाने या बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए विक्रय के लिए हैं;
  - (च) जो भारत के माध्यम से डाक द्वारा या अन्यथा पारगमन में हैं या जिन्हें नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत के बाहर किसी गंतव्य स्थान को डाक द्वारा या अन्यथा पुनः भेजा जाना है, परंतु यह तब जबकि भारत में रहने के दौरान ऐसे माल सदैव डाक या सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की अभिरक्षा में रहे हों;
  - (छ) भारत के पार अफगानिस्तान के लिए वायु मार्ग द्वारा या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत के बाहर किसी अन्य देश के लिए भूमि मार्ग द्वारा, शुल्क से छूट के लिए या पूर्णतः या अंशतः शुल्क के प्रतिसंदाय के लिए दावा के अधीन प्रेषण के लिए;
  - (i) परंतु यह तब जबकि ऐसे माल का सरकार या भारत की सीमा वाले किसी देश द्वारा या उसकी ओर से आयात किया जाता है या आयातकर्ता किसी विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर वह साक्ष्य प्रस्तुत करने का वचन देता है कि ऐसे माल भारत की सीमाओं के पार चले गए हैं या उसके व्यतिक्रम में ऐसी शास्ति का संदाय करने का, जो सीमाशुल्क का समुचित अधिकारी ऐसे माल पर अधिरेपित करना ठीक समझे;
  - (ii) परन्तु यह और कि इस आदेश की किसी बात से किसी माल को आयात व्यापार विनियमों से छूट नहीं होगी;
  - (ज) यात्री सामान के रूप में व्यक्ति द्वारा उस परिमाण तक जो तत्समय प्रवृत्त असबाब नियमों के अधीन स्वीकार्य है;
- बशर्ते कि किसी पर्यटक द्वारा आयात के मामले में अधिक मूल्य की वस्तुएं, जिनका पुनः निर्यात असबाब नियमावली, 2016 के अधीन बाध्यकर है, उसके भारत छोड़ने पर पुनः निर्यात की जाएगी, जिसके न होने पर ऐसे माल को ऐसे माल समझे जाएंगे जिनका आयात सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन प्रतिबंधित किया गया है;

- (झ) लागू अन्य कानूनों/नियमों/आदेशों/विनियमनों के अनुपालन के अधीन अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए डाक के माध्यम से या अन्यथा किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ज) राजनियक कार्मिक, कोंसुलर आफिसरों और भारत में व्यापार आयुक्तों जिन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की संगत अधिसूचना के अधीन सीमा-शुल्क के संदाय से छूट प्राप्त है, द्वारा या उनकी ओर से ;
- (ट) किसी भी ऐसे देश से, जिसे सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 20 के अधीन पुनः आयात किए जाने पर सीमा-शुल्क से छूट प्राप्त है ;
- (ठ) भारतीय विनिर्माण के माल और ऐसे माल के विदेश निर्मित पुर्जे, विनिर्माता द्वारा निर्यातित और परेषिती से मरम्मत तथा पुनः निर्यात करने के लिये वापस किये गये माल:

बशर्ते कि:

- (i) सीमा शुल्क प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त विनिर्माताओं द्वारा वापस लिये गये माल वही हैं जो इस प्रकार निर्यात किये गये थे; और
- (ii) सीमा-शुल्क अधिसूचना के अधीन पुनः आयात किये जाने पर आयातकर्ता द्वारा संबंधित पत्तन पर सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास इस आशय का एक बंधपत्र निष्पादित किया जाता है ;
- (ड) संयुक्त राष्ट्र संगठन और उसके विशिष्ट अधिकरणों के पदाधिकारियों द्वारा जिन्हें संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां) अधिनियम, 1947 (1947 का 46) के अधीन सीमा-शुल्क के संदाय से छूट प्राप्त है ;
- (ढ) हटा दिया गया है।
- (ण) प्राइवेट सङ्कर वाहन अस्थाई आयात सीमा-शुल्क कन्वेशन के अनुच्छेद 1 में यथापरिभाषित यान या उक्त कन्वेशन के अनुच्छेद 4 में निर्दिष्ट उसके संघटक पुर्जे होने के कारण और जिन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की संगत अधिसूचना के अधीन सीमा-शुल्क के संदाय से छूट प्राप्त है ;

बशर्ते कि:-

- (i) ऐसे वाहन या संघटक पुर्जे उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क प्राधिकारी अनुज्ञात करें पुनः निर्यात किये जाते हैं ।
- (ii) ऐसे वाहन या संघटक पुर्जों के संबंध में उक्त अधिसूचना के या "ट्रिप टीक या कार्नेल-डे-पैसेज", अनुज्ञापत्र के उपबन्धों का उल्लंघन नहीं किया जाता है ;

बशर्ते यह भी कि इस आदेश में उल्लिखित किसी बात से माल के आयात को प्रभावित करने वाले किसी अन्य निषेध या विनियम के जो ऐसे माल के आयात किये जाने के समय प्रवृत्त हों, उक्त यानों या संघटक पुर्जों पर लागू किये जाने पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ;

- (त) ऐसे माल होने के कारण, जो अस्थायी रूप से मेलों, प्रदर्शनियों या सीमा शुल्क अधिसूचना के अनुसार विनिर्दिष्ट समरूप आयोजनों में प्रदर्शित या उपयोग करने के लिये 30 जुलाई, 1963 को ब्रूसेल्स में किये गये माल के अस्थायी प्रवेश (एटीए) कन्वेशन के लिये (एटीए) कार्नेट्स संबंधी सीमा-शुल्क कन्वेशन के अधीन एटीए कार्नेट्स के विरुद्ध आयात किये जाते हैं :

बशर्ते कि :-

- (i) ऐसे माल का, निकासी की तारीख से छह माह की अवधि के या ऐसी बढ़ाई गई

अवधि जो केन्द्र सरकार प्रत्येक मामले में अनुज्ञात करे, के भीतर निर्यात किया जाता है ; और

(ii) उक्त अधिसूचना या ए टी ए कन्वेंशन के उपबन्धों का उल्लंघन नहीं किया जाता है :

बशर्ते कि इस मद की किसी बात से माल के आयात को प्रभावित करने वाले किसी अन्य निषेध या विनियम जो ऐसे माल का आयात करने के समय प्रवृत्त हो, का उक्त माल को लागू किये जाने पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

- (थ) नेपाल और भूटान के साथ पारगमन संबंधी संधिपत्र या समझौता के अनुसार आयातित कोई माल;
- (द) विदेशों में भारतीय दूतावासों या विदेश में केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के किसी अन्य कार्यालय को मरम्मत एवं पुनःनिर्यात के लिए केन्द्र सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा अथवा भारतीय विनिर्माता द्वारा ;
- (ध) खाद्यान्न होने के कारण भारतीय खाद्य निगम द्वारा;

बशर्ते कि निकासी के समय इस आशय की एक घोषणा कि निकासी के समय संबंधित आयात का केन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदन किया गया है, आयातकर्ता द्वारा सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को दी जाती है ;

(न) हटा दिया गया है ।

- (2) इन नियमों की कोई बात निम्नलिखित पर लागू नहीं होगी :
    - क. केन्द्र सरकार के प्राधिकार द्वारा या इसके अधीन निर्यातित कोई माल ;
    - ख. किसी बाहर जाने वाले जलयान या वाहन के सामान या उपस्कर के रूप में खाद्य पदार्थ से भिन्न कोई माल ;
    - ग. भारत के बाहर जाने वाले किसी जलयान या वाहन का कोई यात्री या किसी दल का सदस्य सहित किसी व्यक्ति के वास्तविक वैयक्तिक सामान के रूप में कोई माल बशर्ते वन्य जीव [वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में यथा पारिभाषित] (समय समय पर यथा संशोधित) ऐसे वैयक्तिक सामान का हिस्सा नहीं माना जाएगा ;
    - घ. हटा दिया गया है ।
    - ड. भारत से बाहर के किसी पत्तन से भेजने के समय ऐसे पोतान्तरण के लिये अभिव्यक्त किये जाने के पश्चात् भारत में किसी पत्तन पर, पोतांतरित कोई माल:
    - च. भारत में पहुंचने पर नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत के बाहर किसी देश को पुनः निर्यात करने के लिये आयातित और बंधित माल ;
    - छ. भारत के माध्यम से डाक द्वारा पारगमन में कोई माल या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत के बाहर किसी गंतव्य स्थान के लिये डाक द्वारा पुनः भेजा गया कोई माल:
- बशर्ते कि भारत में रहने के दौरान ऐसे माल सदैव डाक प्राधिकारियों की अभिरक्षा में हों ;
- ज. किसी विधिमान्य आयात अनुज्ञाप्ति के बिना आयातित उचित सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा ऐसे माल के निर्यात के लिये किए गए आदेश के अनुसार निर्यातित कोई माल:
  - झ. द्विपक्षीय करार के अन्तर्गत आने वाले टैक्सटाइल मदों को छोड़कर, संबंधित मुक्त व्यापार जोनों और शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुख एककों में विनिर्मित होने तथा निर्यात किए जाने, वार्षिक व्यापार प्रोटोकाल के अधीन रूपया संदाय करने वाले देशों को निर्यात किए जाने और भारतीय रूपयों में संदाय के लिए

- स्पष्ट संदाय करने वाले पूर्ववर्ती देशों को निर्यात किए जाने के लिए अनुमोदिन कोई उत्पाद;
- बशर्ते कि निर्यातोन्मुख एककों या निर्यात संसाधन जोन एकक पर अनुमोदन पत्र/आशय पत्र में लगायी गई शर्तें ऐसे किसी एकक पर बाध्यकारी होंगी ;
- ज. निदेशक, नेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेन्स लेबोरेट्री, मुंबई द्वारा, ब्लड ग्रुप ओ एच (मुंबई फोनोटाइप) का निर्यात, जिसका अभिप्राय मानवीय आधारों पर जीवन रक्षक उपाय के रूप में उसके द्वारा प्रत्येक मामले में इस संबंध में जारी किए गए प्रमाणपत्र के आधार पर वैज्ञानिक अनुसंधान या आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिये है ;
- ट. ल्यूब्रिजोल्स इंडिया लि., हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. द्वारा ल्यूब योगज के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त स्नेहक तेल योगज, ल्यूब तेल, कच्चा तेल तथा अन्य संबंधित पेट्रोलियम उत्पादों एवं कच्चे माल के नमूनों का भारत में स्थित अपने अधिष्ठापन से संयुक्त राज्य अमेरिका तथा यूनाइटेड किंगडम के ल्यूब्रिजोल लेबोरेटरीज को मूल्यांकन एवं जांच प्रयोजनों के लिए निर्यात।

[फा. सं. 01/93/180/16/एएम-16/पीसी-2 (ख)]

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)**

**ORDER**

New Delhi, the 25th July, 2017

**S.O. 2322(E).**—In exercise of the powers conferred by section 3, read with section 4, of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), as amended by the Foreign Trade (Development and Regulation) Amended Act, 2010 the Central Government hereby amends the Foreign Trade (Exemption from application of Rules in certain cases) Order, 1993 to read as under:

**1. Short title and commencement.—**

- (1) This Order may be called the Foreign Trade (Exemption from application of Rules in certain cases) Amendment Order, 2017.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

**2. Definitions.—**

In this order, unless the context otherwise requires:-

- (a) "Act" means the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) as amended by the Foreign Trade (Development and Regulation) Amended Act, 2010;
- (b) "Import Trade Regulations" means the Act and the rules and order made there under and the export and import policy;
- (c) "Rules" mean the Foreign Trade (Regulation) Amendment Rules, 2015;
- (d) Words and expressions used in this Order and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

**3. Exemption from the application of rules.—**

- (1) Nothing contained in the Rules shall apply to the import of any goods,
- (a) by the Central Government or agencies, undertakings owned and controlled by the Central Government for Defence purposes;
- (b) by the Central Government or any State Government, Statutory Corporation, public body or Government Undertaking run as a joint Stock Company;

- (c) by the Central Government, any State Government or any statutory corporation or public body or Government Undertaking run as a joint Stock Company, orders in respect of which are placed through the Directorate General Supplies and Disposals, New Delhi;
- (d) by transit or imported and bonded on arrival for re-export as ship's stores to any country outside India except Nepal and Bhutan or imported and bonded on arrival for re-export as aforesaid but subsequently released for use of Diplomatic personnel, Consular Officers in India and the officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempt from payment of duty under the relevant notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) and the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947 (46 of 1947) respectively;
- (e) imported and bonded on arrival for sale at approved duty-free shops, whether to outgoing or incoming passengers;
- (f) which are in transit through India by post or otherwise, or are redirected by post or otherwise to a destination outside India, except Nepal and Bhutan, provided that such goods, while in India, are always in the custody of the postal or customs authorities;
- (g) for transmission across India by air to Afghanistan or by land to any other country outside India, except Nepal and Bhutan, under claim for exemption from duty or for refund of duty either in whole or in part:

- (i) Provided that such goods are imported by or on behalf of the Government or a country bordering on India or that the importer undertakes to produce within a specified period evidence that such goods have crossed the borders of India or in default to pay such penalty as the proper officer of customs may deem fit to impose on such goods;
- (ii) Provided further that nothing contained in this order will exempt any goods from the Import Trade Regulations;

(h) by the person as passenger baggage to the extent admissible under the Baggage Rules for the time being in force:

Provided that in the case of imports by a tourist, articles of high value whose re-export is obligatory under Baggage Rules, 2016, shall be re-exported on his leaving India, failing which such goods shall be deemed to be goods the import of which has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

- (i) by any person through the post or otherwise for his personal use subject to compliance of other Laws/Rules/Orders/Regulations in force;
- (j) by or on behalf of diplomatic personnel, consular officers and Trade Commissioners in India who are exempted from payment of Customs duty under the relevant Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue);
- (k) from any country, which are exempted from Customs duty on re-importation under section 20 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (l) of Indian manufacture and foreign made parts of such goods, exported and received back by the manufacturer from the consignee for repair and re-export:

Provided that

- (i) the customs authorities are satisfied that the goods received back by the said manufacturers are the same which were so exported; and
- (ii) in the case of goods on re-importation under a bond executed by the importer with the customs authority at the port concerned to the effect in accordance with Customs Notification;

(m) by officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempted from payment of Customs duty under the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947 (46 of 1947);

(n) deleted;

(o) being vehicles as defined in Article I of the Customs Convention on the Temporary Importation of Private Road Vehicles or the component parts thereof referred to in Article 4 of the said Convention and which are

exempted from payment of customs duty under the relevant notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue):

Provided that

- (i) such vehicles or component parts are re-exported within the period specified in the said notification or within such further period as the customs authorities may allow;
- (ii) the provisions of the said notification or of the "trip tyque or Carnel-De-Passage" permit are not contravened in relation to such vehicle or component parts:

Provided further that nothing contained in this Order shall prejudice the application to the said vehicles or component parts of any other prohibition or regulation affecting the import of goods that may be in force at the time of import of such goods;

(p) being goods imported temporarily for display or use in fairs, exhibitions or similar events specified in accordance with relevant Customs Notification against ATA carnets under the Customs Convention on the ATA Carnets for temporary admission of goods (ATA Convention) done at Brussels on the 30th July, 1963:

Provided that

- (i) such goods are exported within a period of six months from the date of clearance or such extended period as the Central Government may allow in each case; and
- (ii) the provisions of the said notification or of the ATA convention are not contravened:

Provided further that nothing contained in this item shall prejudice the application to the said goods of any other prohibition or regulation affecting the import of goods that may be in force at the time of import of such goods;

(q) any goods imported in accordance with the Treaty or Agreement on Transit with Nepal and Bhutan;

(r) of Indian manufacture or by the Central Government or any State Government for repair and re-export to Indian Embassies abroad or to any other office of the Central Government or State Government in a foreign country;

(s) being food grains, by Food Corporation of India:

Provided that at the time of clearance, a declaration to the effect that the import in question has been approved by the Central Government is furnished by the importer to the Customs authorities;

(t) deleted.

(2) Nothing contained in the Rules shall apply to –

- (a) any goods exported by or under the authority of the Central Government;
- (b) any goods other than food-stuffs constituting the stores or equipment of any outgoing vessel or conveyance;
- (c) any goods constituting the bona fide personal baggage of any person, including a passenger or member of a crew in any vessel or conveyance, going out of India:

Provided that the Wild Life (as defined in the wild life (Protection) Act, 1972 (as amended from time to time) shall not be treated as part of such personal baggage;

(d) deleted;

- (e) any goods transshipped at a port in India after having been manifested for such transshipment at the time of despatch from a port outside India;
- (f) any goods imported and bonded on arrival in India for re-export to any country outside India, except Nepal and Bhutan;
- (g) any goods in transit through India by post or any goods re-directed by post to a destination outside India except Nepal and Bhutan:

Provided that such goods, while in India, are always in the custody of the postal authorities;

- (h) any goods imported without a valid import license and exported in accordance with an order for the export of such goods made by the proper officer of Customs;
- (i) products approved for manufacture in and export from the respective free Trade Zones/Export Processing Zones and 100 per cent Export Oriented Units except textile item covered by bilateral agreements, exports to Rupee Payment countries under the Annual Trade Protocol and Exports against payment in Indian Rupees to former Rupee payment countries:
  - Provided that conditions imposed in the letter of approval/letter of intent on Export Oriented Unit or Export Processing Zone will be binding on such a unit;
- (j) export of Blood group Oh (Bombay Phontype) meant for scientific research or emergency medical treatment as life saving measure on humanitarian grounds by the Director, National Blood Group Reference Laboratory, Bombay on the basis of a certificate issued by him to this effect in each case;
- (k) export of samples of lubricating oil additives, Lube Oil, crude oil and other related petroleum products and raw materials used to manufacture Lube Additives by Lubrizols India Limited, Hindustan Petroleum Corporation Limited and Bharat Petroleum Corporation Limited, from their installation in India to Lubrizol's Laboratories in the United States of America and the United Kingdom for evaluation and testing purposes.

[F. No. 01/93/180/16/AM-16/PC-2(B)]

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade